चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

एम0 फिल्0 हिन्दी पाठ्यक्रम

(वर्ष 2014–15 से प्रभावी)

सेमेस्टर प्रथम

1 शोध–प्रविधि और प्रक्रिया

2 हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

सेमेस्टर द्वितीय

3 साहित्य सिद्धान्तों का अध्ययन

4 विशेष अध्ययन (जनसंचार माध्यम)

एम0 फिल्0 हिन्दी
प्रथम प्रश्न पत्र
शोध–प्रविधि और प्रक्रिया

शोध स्वरूप : सैद्धांतिक पक्ष

क. शोध : व्युत्पत्ति, परिभाषा और स्वरूप
ख. शोध : तत्व, क्षेत्र, दृष्टि
ग. शोध के प्रयोजन
घ. शोध और आलोचना

शोध के प्रकार

1. क. साहित्यिक शोध
   ख. अन्तर विद्यावर्ती शोध (मनोवैज्ञानिक, समाज शास्त्रीय)
2. भाषा वैज्ञानिक शोध
3. पाठालोचन
4. लोक साहित्यिक शोध
5. तुलनात्मक शोध

विषय चयन तथा शोध–विधि

क. विषय चयन
ख. शोध क्षेत्र तथा शोध दृष्टि के आधार पर विषयों के प्रकार
ग. रूपरेखा निर्माण की वैज्ञानिक पद्धति
घ. सामग्री–संकलन–विभिन्न पद्धतियाँ (हस्तलेखों का संकलन, प्रश्नावली, साक्षात्कार आदि) संकलित सामग्री की उपयोग विधि।

विषय–प्रतिपादन की पद्धति

क. सामग्री का विभाजन (अध्याय, उपशीर्षक और अनुपात) तथा संयोजन
ख. उद्धरण तथा संदर्भोल्लेख (पाद, टिप्पणी लेखन)
ग. भूमिका, उपसंहार लेखन
घ. परिशिष्ट (अतिरिक्त आवश्यक सूचनात्मक सामग्री) अनुक्रम,
   1. संदर्भ ग्रंथ सूची
   2. पत्र व्यवहार तथा अन्य उल्लेख

हिन्दी कम्प्यूटिंग

- कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र, वेब–पब्लिशिंग का परिचय।
- इण्टरनेट सम्पर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख–रखाव एवं इण्टरनेट समय मितव्ययता के सूत्र।
- वेब–पब्लिशिंग।
- इण्टरनेट एक्सप्लोइर अथवा नेटस्केप।
- लिंक, ब्राउजिंग, ई–मेल भेजना/प्राप्त करना

बाह्य परीक्षा अंक स्वरूप

आवश्यक निर्देश :–

परीक्षार्थी को उक्त पाँच खण्डों में से कुल पाँच प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक खण्ड में से कम से कम दो प्रश्न पूछे जाएंगे। अधिकतम दस प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

एम0 फिल्0 हिंदी
द्वितीय प्रश्न–पत्र
हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

(क) मध्ययुगीन बोध और स्वरूप
दार्शनिक पृष्ठभूमि – **वेदांत, अद्वैतवाद, शुद्धाद्वैतवाद, विशिष्टाद्वैतवाद, सूफी, निर्गुण।**
विभिन्न धर्म साधनाएँ और आन्दोलन

(ख) मध्ययुगीन बोध और आधुनिक बोध में साम्य–वैषम्य
आधुनिकता बोध और औद्योगिक संस्कृति
उपनिवेशवाद, राष्ट्रवाद, राष्ट्रीय आंदोलन, समाज सुधार आन्दोलन, विकास की कल्पना और अन्तर्राष्ट्रीयता, पुनर्जागरण, पुनरुत्थान और हिंदी लोक जागरण

(ग) आधुनिक विचार दृष्टियाँ :–
मार्क्सवाद, समाजवाद, गांधीवाद, मनोविश्लेषणवाद,
अस्तित्ववाद, उत्तरआधुनिकतावाद,

(घ) समकालीन विमर्श
संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद (विखंडनवाद), नव साम्राज्यवाद, संस्कृति विमर्श, दलित विमर्श, स्त्री–विमर्श, जनजातीय विमर्श

(ड) **स्वातन्त्रोत्तर साहित्यिक आन्दोलन, नई कविता , नई कहानी, नाटक एवं रंगमंच, अन्य विधाएं**

आवश्यक निर्देश : –

सभी पाँच खण्डों में से कम से कम एक–एक प्रश्न और कुल मिलाकर दस प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। कुल मिलाकर पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

एम0 फिल्0 हिंदी
तृतीय प्रश्न–पत्र
साहित्य सिद्धान्तों का अध्ययन

खंड अ : साहित्य शास्त्र

क. साहित्य शास्त्र : स्वरूप, क्षेत्र और प्रयोजन

ख. भारतीय (संस्कृत) काव्य शास्त्र के विकास की दिशाएँ

ग. हिंदी काव्य शास्त्र का विकास

घ. हिंदी आलोचना की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ

खण्ड आ : प्रमुख भारतीय काव्य सिद्धांतों का अध्ययन

क. रस सिद्धांत और उसके सहवर्ती विमर्श का काव्य शास्त्र एवं मनोविज्ञान शास्त्र के संदर्भ में विवेचन।

ख. आधुनिक काव्य के संदर्भ में रस सिद्धांत का मूल्यांकन।

ग. अलंकार, रीति, वक्रोक्ति, ध्वनि और औचित्य सिद्धांतों की–

1. आधारभूत स्थापनाएँ।
2. काव्य–रचना प्रक्रिया की दृष्टि से उनका पारस्परिक संबंध।
3. वैज्ञानिक दृष्टि से उनकी विवेचना।

खण्ड इ : प्रमुख पाश्चात्य काव्य सिद्धान्तों का अध्ययन

क. सिद्धांत और वाद

1. प्रेरणा सिद्धांत	2. अनुकरण सिद्धांत	3. औदात्य सिद्धांत
4. कल्पनावाद	5. स्वच्छन्दतावाद	6. अभिव्यंजनावाद
7. अभिजात्यवाद	8. अस्तित्ववाद	9. नव्य आलोचना, प्रगतिशील साहित्य, रूपवाद

आवश्यक निर्देश :

प्रथम खण्ड में से दो तथा दूसरे–तीसरे खण्डों से चार–चार प्रश्न पूछे जाएँगे। कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। परीक्षार्थियों को प्रथम खण्ड से एक और दूसरे–तीसरे खण्डों से दो–दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे।

एम0 फिल्0 हिन्दी
चतुर्थ प्रश्न पत्र
विशेष अध्ययन (जनसंचार माध्यम)

यूनिट–1

जनसंचार का अर्थ, परिभाषा स्वरूप और क्षेत्र

भारत में जनसंचार माध्यमों का विकास

जनसंचार के विविध रूप

जनसंचार की समस्याएँ

यूनिट–2

पत्रकारिता एवं हिन्दी भाषा, दैनिक, साप्ताहिक, मासिक पत्र–पत्रिकाएँ।

यूनिट–3

जनसंचार माध्यम और हिन्दी, हिन्दी माध्यमों में बदलती भाषा, स्थानीयता, जनसंचार माध्यमों का बदलता स्वरूप, मानवाधिकार एवं जनसंचार, प्रेस कानून

यूनिट–4

मनोरंजन एवं जनसंचार, फिल्म, टेलीविजन

यूनिट–5

जनसम्पर्क एवं विज्ञापन, जनसम्पर्क के आशय, प्रवृत्तियाँ, जनसंपर्क में कठिनाईयाँ, विज्ञापन, बदलती भाषा, विभिन्न माध्यमों में विज्ञापन, टी0वी0, रेडियो, पत्रिकाएँ, इन्टरनेट, होर्डिंग।

आवश्यक निर्देश : –

सभी पाँच खण्डों में से कम से कम एक–एक प्रश्न और कुल मिलाकर दस प्रश्न पूँछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। कुल मिलाकर पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

लघु शोध प्रबन्ध

आवश्यक निर्देशः–

1. शोध विषय का निर्धारण विभाग द्वारा किया जाएगा। छात्र–छात्रा को निर्धारित विषय पर कम से कम 100 पृष्ठ का लघु शोध प्रबन्ध प्रस्तुत करना होगा। शोध प्रबन्ध मौखिकी परीक्षा होने से 20 दिन पूर्व प्रस्तुत करना होगा।
2. विश्वविद्यालय में एम.फिल. पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित नियमों के अनुसार लघु शोध प्रबन्ध का मूल्यांकन बाह्य तथा आन्तरिक परीक्षक द्वारा किया जाएगा तथा विश्वविद्यालय द्वारा पारित नियमानुसार परीक्षण के उपरान्त ग्रेड प्रदान किया जायेगा।